नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

संजीव®

आल इन वन

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल एवं अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर सहित
- हिन्दी के पद्य पाठ एवं अंग्रेजी के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित सरल हिन्दी अनुवाद
- हिन्दी एवं अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश
- पाठ्यपुस्तक भाग 1, 2 एवं 3 के अनुसार पूर्णतः नवीन प्रकार से तैयार

कक्षा 4

मूल्य 300.00

संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com

कक्षा-4 आल इन वन की विशेषताएँ

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का समावेश। अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश।

- पाठ्यपुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिए गये अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। इन प्रश्नों में जो भी प्रश्न विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकते हैं उन सभी के उत्तर इस संजीव आल इन वन में दिये गये हैं। अध्याय के बीच-बीच में आये इन प्रश्नों को इस संजीव आल इन वन में 'पाठ-सार' के बाद 'पाठगत प्रश्न' शीर्षक के अन्तर्गत दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यपुस्तक में जिस पृष्ठ पर इस प्रकार के प्रश्न दिये गये हैं उसकी पृष्ठ संख्या भी संजीव आल इन वन में दी गयी है।

- प्रत्येक पाठ या अध्याय में वस्तुनिष्ठ, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक एवं निबन्धात्मक आदि सभी प्रकार के प्रश्नोत्तर दिये गये हैं। परीक्षा में जिस-जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी को इस पुस्तक में दिया गया है।

- हिन्दी के पद्य पाठ एवं अंग्रेजी के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित सरल हिन्दी अनुवाद।

- हिन्दी एवं अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश।

- राजस्थान पाठ्यपुस्तक मण्डल द्वारा इस वर्ष चारों विषयों की पाठ्यपुस्तक—हिन्दी, English, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन—को combined करके तीन भागों में प्रकाशित किया गया है। अतः इस संजीव आल इन वन में पूर्णतः नवीन पाठ्यपुस्तकों के अनुसार अध्यायों को तीन भागों में बाँटा गया है।

- पाठ्यपुस्तक भाग-2 एवं भाग-3 के प्रारम्भ में 'कार्यपत्रक' दिये गये हैं। इस संजीव आल इन वन में इन्हें हल सहित दिया गया है।

- पाठ्यपुस्तक भाग-2 एवं भाग-3 के प्रारम्भ में हिन्दी एवं English में 'हमने सीखा'/What we have learnt' के अन्तर्गत विद्यार्थियों से व्याकरण/ Grammar एवं रचना/Writing के जिन-जिन Topics को सीखने की अपेक्षा की गयी है लगभग उन सभी Topics को इस संजीव आल इन वन में दिया गया है।

छात्र / छात्रा का नाम .....

कक्षा ..... वर्ग .....

विषय .....

विद्यालय का नाम .....

प्रकाशक
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Dept.), जयपुर
अक्षत कम्प्यूटर्स, जयपुर

विषय-सूची

भाग-1

हिन्दी

1. सुख-धाम 3
2. बुद्धिमान खरगोश 6
3. झीलों की नगरी 9
4. पेड़ 12
5. दशहरा 15
6. हमें जलाशय लगते प्यारे 18
7. वीर बालक अभिमन्यु 22

व्याकरण **26-33**

संक्षिप्तीकरण 33
कहानी-लेखन 33-35
पत्र-लेखन 35-36
निबन्ध-लेखन 36-38
डायरी विधा 38-39
आत्मकथा 39

ENGLISH

Let's Learn English

1. A Thank You Prayer 40
2. Each One is Unique 44
3. A Brave Tribal Girl 54
4. A Visit to the Camel Fair of Pushkar 61
5. The Peacock : Our National Bird 68
6. Save Water 76
7. A Railway Station 81

Translation into Hindi **89**

Vocabulary and Grammar **90-128**

Writing

1. Paragraph Writing 128
2. Story Writing 132
3. Letter Writing 134
4. Applications 136
5. Message Writing 136
6. Poster 137

गणित

1. पुस्तकालय 139
2. जनक का गाँव 144
3. संख्याओं में जोड़ 148
4. संख्याओं में जोड़-घटाव 152
5. वैदिक गणित 157
6. आकृतियाँ 162
7. सममिति 165
8. आओ पहाड़े बनाएँ 170
9. संख्याओं में गुणा 174

पर्यावरण अध्ययन

1. बचपन की यादें 182
2. अर्णी का परिवार 184
3. कैसे जाने हम 187
4. खेल प्रतियोगिता 190
5. फूल ही फूल 194
6. पेड़-पौधों की देखभाल 197
7. कान खोले राज 200
8. जंगल की बातें 202
9. पानी रे ! अजब तेरी कहानी 205
10. पानी और हम 208

भाग-2

हिन्दी

कार्यपत्रक 215

8. आज मेरी छुट्टी है 216
9. खेजड़ी 219
10. कूड़ेदान की कहानी, अपनी जुबानी 222
11. मेरे गाँव के खेत में 225
12. गोडावण 229
13. गुरु भक्त कालीबाई 231

ENGLISH

Exercise 236

Let's Learn English

8. Kalpna Chawla : The Star 237
9. Ramu and the Mangoes 245
10. Mangarh Dham 256
11. My Village 264
12. Be Kind to Animals 268
13. If A Tree could Talk 276

गणित

कार्यपत्रक 284

10. आओ भाग करें 285
11. पैटर्न 289
12. भिन्न 294
13. मापन 299
14. भार 304
15. धारिता 308
16. समय 312
17. परिमाप एवं क्षेत्रफल 320

पर्यावरण अध्ययन

कार्यपत्रक 326

11. अच्छा खाना मिलकर खाना 327
12. चोंच और पंजे 331
13. चॉकलेट खाऊँ या दाँत बचाऊँ 334
14. फसलों का सफर 337
15. हमारे गौरव-II 341
16. हमारे राष्ट्रीय प्रतीक 345
17. मेले 347
18. घर की बात 351
19. स्वच्छ घर-स्वच्छ गाँव 354

भाग-3

हिन्दी

कार्यपत्रक 359

14. निराला राजस्थान 363
15. कुरज री विनती 366

हिन्दी मौखिक परीक्षा 370

ENGLISH

Exercise 371

Let's Learn English

14. Nimboo-Paani 374
15. This Native Land of Mine 377

गणित

कार्यपत्रक 383

18. मुद्रा 388
19. आँकड़े और चित्रालेख 393

पर्यावरण अध्ययन

कार्यपत्रक 398

20. उगता सूरज पूर्व में 401
21. कपड़े की कहानी 403
22. यात्रा 406

मॉडल पेपर 411-426

कक्षा 4

भाग 1

हिन्दी–अध्याय 1 से 7

English—Chapter 1 to 7

गणित–अध्याय 1 से 9

पर्यावरण अध्ययन–अध्याय 1 से 10

हिन्दी–कक्षा-4

पाठ-1. सुख धाम

पाठ परिचय—प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत को एक घर के रूप में बताया है। कवि ने कविता के माध्यम से बताया है कि इस घर में विभिन्न जाति और धर्म के लोग एक-दूसरे के सुख-दुःख में हाथ बँटाते हुए प्यार और सम्मान के साथ रहते हैं। भारत का यह रूप विविधता में एकता की तस्वीर प्रस्तुत करता है।

कठिन शब्दार्थ एवं सरलार्थ—

भारत माँ का सदन सुहाना
स्नेह-प्रेम सम्मान यहाँ।
दुख-सुख में हैं गूँजा करते,
निशि-दिन गौरव गान यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—गौरव = यश। **सदन** = घर। **सुहाना** = प्यारा/अच्छा। **स्नेह** = अपनापन/प्यार। **निशि** = रात।

सरलार्थ—कवि कहता है कि भारत माँ का यह घर बहुत ही प्यारा है। यहाँ बहुत अपनापन और आपसी स्नेह है और सभी को सम्मान दिया जाता है। यहाँ चाहे सुख हो या दुःख हमेशा गौरव गाथाओं के गान गूँजा करते हैं।

नहीं भेद है जाति धर्म का,
मानवता का मूल यहाँ।
इसका आँगन सुंदर उपवन,
भाँति-भाँति के फूल यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—भेद = अन्तर। **मानवता** = मानव होने का भाव। **मूल** = मुख्य/लक्ष्य। **आँगन** = खुला स्थान, धरती। **उपवन** = बगीचा। **भाँति-भाँति के** = तरह-तरह के।

सरलार्थ—कवि कहता है कि यहाँ, अर्थात् भारत में जाति और धर्म का कोई भेदभाव नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर है। मानवता ही यहाँ का मूल उद्देश्य है। भारत की धरती एक सुन्दर बगीचे की तरह है, जहाँ विभिन्न जाति और धर्म रूपी तरह-तरह के फूल खिले हुए हैं।

राम, रहीम और ईसा से,
मिला श्रेष्ठतम ज्ञान यहाँ।
मंदिर-मस्जिद और गिरिजा में,
सुलभ एक सा ध्यान यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—श्रेष्ठतम = सबसे अच्छा। **सुलभ** = सरलता से मिलने वाला। **गिरिजा** = ईसाइयों का प्रार्थना स्थल।

सरलार्थ—कवि कहता है कि यहाँ पर उपलब्ध ज्ञान राम, रहीम और ईसा जैसे महापुरुषों से मिला हुआ सबसे श्रेष्ठ ज्ञान है। यहाँ पर मंदिर, मस्जिद और गिरिजाघरों में सब धर्मों के लोग विभिन्न तरीकों से एक ही ईश्वर का ध्यान करते हैं।

सदा मित्र बन हाथ बढ़ाते,
नहीं बैर का नाम यहाँ,
अपने हित से पहले करते,
हम परहित के काम यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—सदा = हमेशा। **मित्र** = दोस्त। **हाथ बढ़ाना** = सहायता करना। **बैर** = द्वेष। **हित** = लाभ। **परहित** = दूसरों की भलाई।

सरलार्थ—भारत की बात करते हुए कवि कहता है कि यहाँ पर लोगों में वैर-भाव नहीं है, बल्कि सब लोग दूसरों की मदद के लिए दोस्त बनकर हाथ बढ़ाते हैं। यहाँ पर सब लोग अपने लाभ से पहले दूसरों की भलाई के लिए काम करते हैं।

भारत अपना स्वर्ग मनोहर,
कण-कण भरा ललाम यहाँ।
बहे नेह की निर्मल सरिता,
सबका है सुख-धाम यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—स्वर्ग = समस्त सुविधा सम्पन्न स्थान। **मनोहर** = मन को हरने वाला। **ललाम** = सुन्दर। **नेह** = स्नेह/प्यार। **निर्मल** =

स्वच्छ/साफ। **सरिता** = नदी। **सुखधाम** = सुख का स्थान।

सरलार्थ—कवि कहता है कि अपना भारत सभी सुविधाओं से सम्पन्न सबके मन को हरने वाला स्थान है। यहाँ के कण-कण में सुन्दरता भरी हुई है। यहाँ हर व्यक्ति के दिल में स्नेह और प्यार की निर्मल नदी प्रवाहित होती रहती है। यह भारत सबके सुखों का स्थान है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. हम सुख-दुःख में भी किसका गान करते हैं?

उत्तर—हम सुख-दुःख में भी भारत के गौरव का गान करते हैं।

प्रश्न 2. भारत माँ के आँगन में कैसे फूल खिले हैं?

उत्तर—भारत माँ के आँगन में विभिन्न जाति-धर्मों रूपी भाँति-भाँति के फूल खिले हैं।

प्रश्न 3. श्रेष्ठतम ज्ञान किस-किससे मिला?

उत्तर—राम, रहीम और ईसा से श्रेष्ठतम ज्ञान मिला।

लिखें—

प्रश्न 1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—

(गूँजा, गान, सम्मान, सदन)

(क) भारत माँ का ..... सुहाना,
(ख) स्नेह-प्रेम ..... यहाँ।
(ग) दुःख-सुख में हैं ..... करते,
(घ) निशि-दिन गौरव ..... यहाँ।

उत्तर—(क) सदन (ख) सम्मान (ग) गूँजा (घ) गान।

प्रश्न 2. 'सुलभ एक-सा ध्यान यहाँ' का क्या आशय है?

उत्तर—इससे आशय है कि यहाँ मन्दिर, मस्जिद और गिरिजाघर में चाहे पूजा की पद्धतियाँ भिन्न-भिन्न हों लेकिन यहाँ सबको पूजा-ध्यान करने की पूरी आजादी है। सभी को एक-सा ध्यान सहज सुलभ है।

प्रश्न 3. सुख का धाम किसे कहा गया है?

उत्तर—सुख का धाम भारत को कहा गया है।

प्रश्न 4. भारत माँ के आँगन को सुन्दर उपवन क्यों कहा गया है?

उत्तर—भारत में विभिन्न जाति-धर्मों के लोगों के रूप में भाँति-भाँति के फूल खिले हैं, इसलिए इसे सुन्दर उपवन कहा गया है।

प्रश्न 5. हमारे देश को धरती का स्वर्ग क्यों कहा गया है?

उत्तर—हमारे देश की धरती का कण-कण सुन्दरता से भरा हुआ है। यहाँ प्रेम रूपी निर्मल सरिता बहती है। इसलिए इसे धरती का स्वर्ग कहा गया है।

प्रश्न 6. सुहाने सदन की क्या विशेषताएँ होती हैं? बताइए।

उत्तर—सुहाने सदन अर्थात् घर में सब लोग एक-दूसरे के साथ स्नेह-प्रेम और सम्मान के साथ रहते हैं। यहाँ सब लोग सुख-दुःख में एक-दूसरे के साथ रहते हैं।

भाषा की बात—

दिए गए उदाहरण के अनुसार योजक (-) चिह्न के स्थान पर 'और' शब्द जोड़ते हुए पुनः लिखें—

दुःख-सुख	दुःख और सुख
राम-रहीम	.....
जाति-धर्म	.....
दिन-रात	.....
स्नेह-प्रेम	.....
माता-पिता	.....

उत्तर—राम और रहीम, जाति और धर्म, दिन और रात, स्नेह और प्रेम, माता और पिता।

पाठ में 'सुन्दर उपवन' शब्द आया है, यहाँ उपवन की विशेषता बताई गई है। आप भी सुन्दर विशेषण लगाकर नए शब्द बनाइए, जैसे—सुन्दर माला।

उत्तर—सुन्दर बच्चा, सुन्दर लिखावट, सुन्दर चित्र, सुन्दर बातें, सुन्दर पुस्तक।

यह भी करें—

- **देश-प्रेम से सम्बन्धित अन्य कविता याद करें और कक्षा में सुनाएँ।**

उत्तर—शिक्षक की सहायता से कविता चुनकर याद करें।

• **दूसरों की भलाई के लिए आप क्या-क्या काम करना पसन्द करोगे?**

उत्तर—हम दूसरों की भलाई के लिए निम्न काम करना पसन्द करेंगे—

(1) गरीब छात्रों की सहायता करेंगे।
(2) बूढ़े व्यक्तियों को सड़क पार करायेंगे।
(3) बीमार लोगों की सहायता करेंगे।
(4) किसी के काम में हाथ बटायेंगे।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

1. भारत माँ का सदन कैसा है?

(अ) खुशनुमा (ब) सुहाना
(स) सुन्दर (द) प्यारा। ( )

2. भारत माँ के आँगन को बताया गया है—

(अ) मैदान (ब) खेत
(स) उपवन (द) धरती। ( )

3. यहाँ सब लोग एक-दूसरे की सहायता करते हैं—

(अ) मित्र बनकर (ब) कर्मचारी बनकर
(स) सैनिक बनकर (द) खिलाड़ी बनकर।( )

4. भारत में किसकी निर्मल सरिता बहती है?

(अ) पानी की (ब) दूध की
(स) द्वेष की (द) नेह की। ( )

उत्तर—1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (द)।

रिक्त स्थान भरो—

(जाति, ज्ञान, मित्र, निर्मल)

1. बहे नेह की ..... सरिता,
2. मिला श्रेष्ठतम ..... यहाँ।
3. नहीं भेद है ..... धर्म का,
4. सदा ..... बन हाथ बढ़ाते।

उत्तर—1. निर्मल 2. ज्ञान 3. जाति 4. मित्र।

सत्य/असत्य—

1. भारत माँ का सदन सुहाना है। (सत्य/असत्य)
2. यहाँ जाति और धर्म का भेद ही मानवता का मूल है। (सत्य/असत्य)
3. यहाँ के आँगन रूपी उपवन में एक तरह के फूल खिलते हैं। (सत्य/असत्य)
4. यहाँ राम, रहीम और ईसा से श्रेष्ठतम ज्ञान मिला है। (सत्य/असत्य)
5. भारत सबका सुखधाम है। (सत्य/असत्य)

उत्तर—1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. भारत माँ के सुहाने सदन में क्या-क्या है?
उत्तर—भारत माँ के सुहाने सदन में स्नेह, प्रेम और सम्मान है।

प्रश्न 2. भारत में मानवता का मूल क्या है?
उत्तर—जाति और धर्म में भेद नहीं होना यहाँ मानवता का मूल है।

प्रश्न 3. भारतवासी अपने हित से पहले क्या करते हैं?
उत्तर—भारतवासी अपने हित से पहले परहित का काम करते हैं।

प्रश्न 4. यहाँ कैसी सरिता बहती है?
उत्तर—यहाँ प्रेम की निर्मल सरिता बहती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. मानवता के मूल से क्या आशय है?
उत्तर—भारत में अलग-अलग जाति और धर्म के लोग रहते हैं, लेकिन अलग-अलग होते हुए भी सब मिल-जुलकर साथ रहते हैं और यही यहाँ मानवता का मूल है।

प्रश्न 2. भारत माँ का सदन सुहाना कैसे है?
उत्तर—भारत माँ का सदन सुहाना है, क्योंकि यहाँ सब लोग स्नेह, प्रेम और सम्मान के साथ रहते हैं। यहाँ सुख-दुःख सब में दिन-रात गौरव गान गूँजा करते हैं।

प्रश्न 3. भारत सबका सुखधाम है। कैसे?
उत्तर—भारत में सभी जाति और धर्मों के लोग मिल-जुलकर साथ रहते हैं। यहाँ छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं है। सब लोग सुख-दुःख में एक-दूसरे के काम आते हैं और यहाँ प्यार रूपी निर्मल सरिता सबके दिलों में बहती है। इस प्रकार भारत सबका सुखधाम है।

प्रश्न 4. 'भाँति-भाँति के फूल यहाँ' से क्या आशय है?

उत्तर—इसका आशय है कि हमारे देश भारत में अलग-अलग धर्मों और अनेक जातियों के लोग मिल-जुलकर